बोर्ड कृतिपत्रिका: जुलाई २०१९

हिंदी लोकभारती

Time : 3 Hours **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ:

(1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 24 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

जीवन निर्वाह या धन कमाने के लिए अनेक व्यवसाय चल रहे हैं। इनके मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते हैं। कुछ व्यवसाय ऐसे हैं, जिनमें शरीर श्रम आवश्यक है और कुछ ऐसे हैं जो बुद्धि के बल पर चलाए जाते हैं। पहले प्रकार के व्यवसाय को हम श्रमजीवियों के व्यवसाय कहें और दूसरों को बुद्धिजीवियों के। राज-काज चलाने वाले मंत्री आदि तथा राज के कर्मचारी ऊँचे-ऊँचे पद से लेकर नीचे के क्लर्क तक, न्यायाधीश, वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी आदि ऐसे हैं जो अपना भरण-पोषण बौद्धिक काम से करते हैं। शरीर श्रम से अपना निर्वाह करने वाले हैं – किसान, मजदूर, बढ़ई, राज, लुहार आदि। समाज के व्यवहार के लिए इन बुद्धिजीवियों और श्रमजीवियों, दोनों प्रकार के लोगों की जरूरत है पर सामाजिक दृष्टि से इन दोनों के व्यवसाय के मूल्यों में बहुत फर्क है।

बुद्धिजीवियों का जीवन श्रमजीवियों पर आधारित है। ऐसा होते हुए भी दुर्भाग्य यह है कि श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है, समाज में उनकी प्रतिष्ठा नहीं और उनको अपना जीवन प्राय: कष्ट में ही बिताना पड़ता है।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

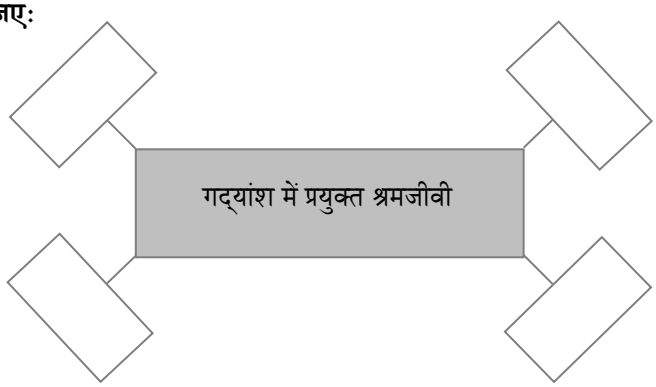

(2) अंतर बताइए: **(2)**

बुद्धिजीवी	श्रमजीवी
(i)	(i)
(ii)	(ii)

(3) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म लिखिए: **(2)**

(1) .....

(2) .....

(4) 'श्रम ही पूजा है' अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

घूम-फिरकर शाम को हम कलिंगवुड बीच पर पहुँचे। यह काफी रेतीला तथा गोवा का सबसे लंबा बीच है जो ३ से ४ किमी तक फैला है। यहाँ पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। यही कारण है कि यह स्थानीय लोगों के व्यवसाय का केंद्र भी है। यहाँ कई प्रकार के वाटर स्पोर्ट्स होते हैं जिनमें कुछ तो हैरतअंगेज हैं, जिन्हें देखने में ही आनंद आता है। आप भी अपनी रुचि के अनुसार सब आजमा सकते हैं। मैंने कई खेलों में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे अधिक रोमांच पैराग्लाइडिंग में ही आया। काफी ऊँचाई से अथाह जलराशि को देखना जितना विस्मयकारी है, उतना ही भयावह भी। दूर-दूर तक पानी-ही-पानी, तेज हवा और रस्सियों से हवा में लटके हम। हम यानी मैं और मेरी पत्नी। दोनों डर भी रहे थे और खुश भी हो रहे थे। डर इस बात का कि छूट गए तो समझो गए और खुशी इस बात की कि ऐसा रोमांचक दृश्य पहली बार देखा। सचमुच अद्‌भुत!

हम यहाँ चार-छह दिन रहे लेकिन हमारी एक ही दिनचर्या रही। सुबह जल्दी उठना, फटाफट नाश्ता करना और दिन भर घूम-फिरकर, थककर शाम को रिसॉर्ट आकर थकान मिटाने के लिए पूल में तैरना!

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

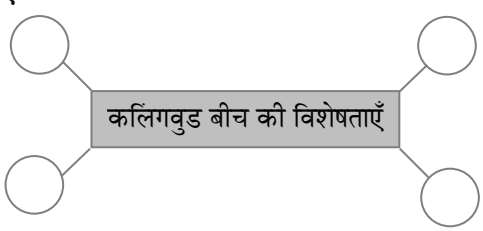

(2) कारण लिखिए: **(2)**

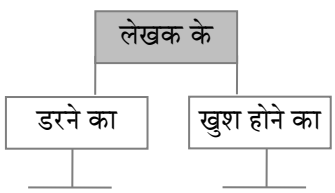

(3) गद्यांश में आए अंग्रेजी शब्द: **(2)**

(i) ..... (ii) .....

(iii) ..... (iv) .....

(4) 'पर्यटन से लाभ' पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

वैज्ञानिक अध्ययनों एवं भूगर्भीय आँकड़ों से यह तथ्य सामने आया है कि भारत का दो तिहाई भाग भूकंपीय पट्टी में पड़ता है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, नेपाल सीमा क्षेत्र, गुजरात (कच्छ का रन) तथा अंदमान द्वीपसमूह भूकंपीय पट्टी में है। यह भूकंपीय पट्टी वास्तव में भूमंडलीय पट्टी का एक हिस्सा है, जो पृथ्वी के एक छोर से दूर छोर तक जाती है। हाल के वैज्ञानिक शोधों ने यह सिद्ध कर दिया है कि इंडियन प्लेट बराबर साढ़े पाँच सेंटीमीटर प्रतिवर्ष की गति से उत्तर-पूर्व दिशा में खिसक रही है और इस प्रक्रिया में समय-समय पर अपनी जगह पर स्थिर युरेशियन प्लेट से टकराकर हिमालय क्षेत्र में भूकंप का तांडव दिखाती रहती है। वास्तव में अक्टूबर १९९१ में आए उत्तरकाशी के विध्वंसक भूकंप की जिम्मेदार इंडियन और युरेशियन प्लेटें ही थीं।

(1) उत्तर लिखिए: **(2)**

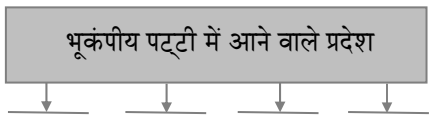

(2) लिखिए: **(2)**

(क)

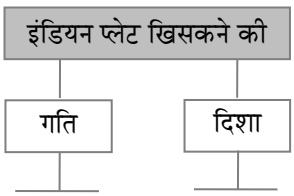

(ख)

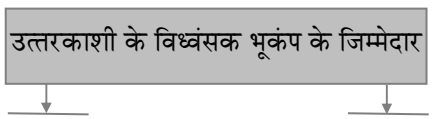

(3) 'प्रति' उपसर्ग लगाकर शब्द तैयार कीजिए: **(2)**

(i) दिन - ..... (ii) माह - .....

(iii) वर्ष - ..... (iv) क्रिया - .....

(4) 'भूकंप से होने वाली हानियाँ' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 2 – पद्य : 18 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

धनियों को है मौज रात-दिन हैं उनके पौ-बारे,
दीन दरिद्रों के मत्थे ही पड़े शिशिर दुख सारे।
वे खाते हैं हलुवा-पूड़ी, दूध-मलाई ताजी,
इन्हें नहीं मिलती पर सूखी रोटी और न भाजी।
वे सुख से रंगीन कीमती ओढ़ें शाल-दुशाले,
पर इनके कंपित बदनों पर गिरते हैं नित पाले।
वे हैं सुख साधन से पूरित सुघर घरों के वासी,
इनके टूटे-फूटे घर में छाई सदा उदासी।

(1) नाम लिखिए: **(2)**

पद्यांश में आए खाद्य पदार्थ
- (1) .....
- (2) .....
- (3) .....
- (4) .....

(2) अंतर लिखिए: **(2)**

धनी	गरीब
(i)	(i) .....
(ii)	(ii) .....

(3) अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए:

छापा **अथवा** गिरिधर नागर

मुद्दे:

(1) रचनाकार का नाम **(1)**

(2) रचना की विधा **(1)**

(3) पसंद की पंक्तियाँ **(1)**

(4) पंक्तियाँ पसंद होने का कारण **(1)**

(5) रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा **(2)**

(इ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

जन धरणी का बल है हल,
जनमन का संबल है हल।
साथी सजग हथौड़े, हँसिया
जिसके कर्मठ, कला कुशल।
हल ने चीर जमीं का सीना,
मानव का घर-द्वार बसाया।
स्वर्ण धरा का बल है हल,
जनता का संबल है हल।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

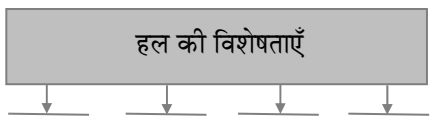

(2) ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों: **(2)**

(i) मानव (ii) जनमन

(3) प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

अब तक वह कितने ही स्थानों पर नौकरी के लिए आवेदन कर चुका था। साक्षात्कार दे चुका था। उसके प्रमाणपत्रों की फाइल भी उसे सफलता दिलाने में नाकामयाब रही थी। हर जगह भ्रष्टाचार, रिश्वत का बोलबाला होने के कारण, योग्यता के बावजूद उसका चयन नहीं हो पाता था। हर ओर से अब वह निराश हो चुका था। भ्रष्ट सामाजिक व्यवस्था को कोसने के अलावा उसके वश में और कुछ तो था नहीं।

आज फिर उसे साक्षात्कार के लिए जाना है। अब तक देशप्रेम, नैतिकता, शिष्टाचार, ईमानदारी पर अपने तर्कपूर्ण विचार बड़े विश्वास से रखता आया था लेकिन इसके बावजूद उसके हिस्से में सिर्फ असफलता ही आई थी।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

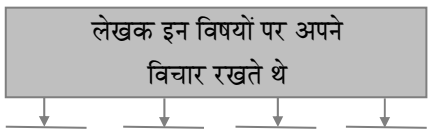

(2) 'शिष्टाचार की आवश्यकता' पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

भीतरी कुंठा
आँखों के द्वार से
आई बाहर।

खारे जल से
धुल गए विषाद
मन पावन।

मृत्यु को जीना
जीवन विष पीना
है जिजीविषा।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए: **(2)**

'अ'	'ब'
(i) भीतरी कुंठा	(1) विषाद
(ii) खारा जल	(2) जिजीविषा
(iii) जीवन विष पीना	(3) आँखें
(iv) धुल जाना	(4) मन पावन

(2) 'मन की सफाई पर' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 18 अंक

4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) (क) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए: **(1)**
मेरी पाठशाला सामने ही है।

(ख) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए: **(1)**
लाड़ला

(2) (ग) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए: **(1)**
वह घर की ओर आ रहा है।

(घ) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**
हौले-हौले

(3) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(2)**
(i) वे हमारे सुहागवाले गहने होते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)
(ii) वह भारी कदमों से आगे बढ़ा। (अपूर्ण भूतकाल)

(4) तालिका पूर्ण कीजिए: **(2)**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	भेद
निर्भय	.....	.....
.....	विद्या + अर्थी	.....

(5) (च) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए: **(1)**

नेत्रहीनों के चमत्कार हमने बहुत देखे हैं।

(छ) सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: **(1)**

शाम को वह तुमसे मिलने आएगा। (प्रश्नार्थक वाक्य)

(6) (ज) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

गला फाड़ना

अर्थ : .....

वाक्य : .....

(झ) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(टाँग अड़ाना, कोरा जवाब देना)

कुछ लोग अच्छे कामों में बाधा डालते हैं।

(7) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए: **(2)**

(i) अब हर चीज का दरजनों गुलाम होता हैं।

(ii) करामत अली के आँखों में आँसू उतर आई।

(8) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए: **(1)**

(i) मैं यह घर छोड़कर कहीं चली जाऊँगी।

(ii) वह धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास आ बैठी।

(9) निम्नलिखित क्रिया के 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए: **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
रोना	.....	.....

(10) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **(1)**

दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं।

कारक चिह्न	भेद
.....	.....

(11) निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए: **(1)**

मैंने कराहते हुए पूछा "मैं कहाँ हूँ"

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 32 अंक

5. (अ) (1) पत्र-लेखन: **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए:

नरेश/निशा जाधव, 22, गाँधी रोड, साबरमती से अपने मित्र/सहेली उत्तम/उषा पाटील, शाहुपुरी, कोल्हापुर को जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

शरद/शारदा पाटील, 24, विश्वास नगर, अकोला–32 से अनमोल प्रकाशन, पुणे–11 को पत्र लिखकर अपने लिए निम्नलिखित पुस्तकों की माँग करता/करती है।

(1) मानसरोवर भाग १– ले. प्रेमचंद

(2) चंद्रगुप्त (नाटक) – ले. जयशंकर प्रसाद

(3) अच्छे आदमी (कथा संग्रह) – ले. फणीश्वरनाथ 'रेणु'।

(2) गद्य आकलन-प्रश्न निर्मिति: **(5)**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में ही एक-एक वाक्य में हों:

भौतिक प्रेरणा, ज्ञानेप्सा– क्या ये दो ही मानव संस्कृति के माता-पिता हैं? दूसरे के मुँह में कौर डालने के लिए जो अपने मुँह का कौर छोड़ देता है, उसको यह बात क्यों और कैसे सूझती है? रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए जो माता बैठी रहती है, वह आखिर ऐसा क्यों करती है? सुनते हैं कि रूस का भाग्यविधाता लेनिन अपनी डेस्क में रखे हुए डबल रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था। वह आखिर ऐसा क्यों करता था? संसार के मजदूरों को सुखी देखने का स्वप्न देखते हुए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुख में बिता दिया। और इन सबसे बढ़कर आज नहीं, आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने अपना घर केवल इसलिए त्याग दिया कि किसी तरह तृष्णा के वशीभूत लड़ती-कटती मानवता सुख से रह सके।

(आ) (1) वृत्तांत-लेखन: **(5)**

अपने विद्यालय में संपन्न वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का वृत्तांत लगभग 60 से 80 शब्दों में लिखिए।

(वृत्तांत में स्थल, घटना, काल का उल्लेख आवश्यक है।)

(2) विज्ञापन: **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

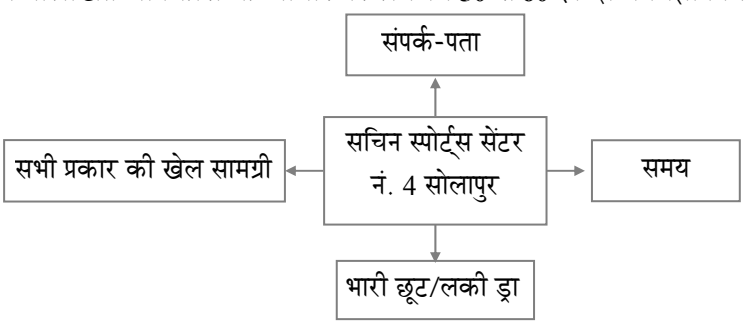

(3) कहानी-लेखन: **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिकर उचित शीर्षक दीजिए :

एक गाँव – गाडगे बाबा का प्रवेश – अस्वच्छता देख दुख – अकेले स्वच्छता करने में लगना – रोज आकर स्वच्छता – धीरे-धीरे लोगों का हाथ में झाड़ू उठाना – रोज एक घंटा स्वच्छता अभियान में – गाँव में स्वच्छता – लोगों का स्वच्छता के महत्त्व को समझना – बाबा का दूसरे गाँव जाना – लोगों का स्वच्छता अभियान जारी।

(इ) निबंध-लेखन: **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) यदि मोबाइल न होता तो .....

(2) मेरे प्रिय लेखक